'उप्र को बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए छह क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश जरूरी'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रख्यात अर्थशास्त्री और अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रो. जेफ्री सैक्स ने कहा कि किसी भी देश के त्वरित आर्थिक विकास के लिए नागरिकों के लिए सबसे बड़ा कारक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर का आकार देने के लिए उन्होंने सार्वजनिक निवेश के लिए छह क्षेत्र इंगित किए। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा तकनीकी, टिकाऊ खेती और भू-उपयोग, नगरीकरण और डिजिटल प्लटेफार्म शामिल हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

प्रो.सैक्स सोमवार को योजना भवन में 'एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था' पर आधारित व्याख्यान दे रहे थे। किसी भी देश को तेजी से आर्थिक पथ पर अग्रसर होने के लिए उन्होंने आर्थिक के साथ समावेशी विकास पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा पर किए जा रहे खर्च को नाकाफी बताते हुए इसमें बड़ी बढ़ोतरी करने का

• एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था पर व्याख्यान

सुझाव दिया। यह भी कहने से नहीं चूके कि प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में सारी व्यवस्थाएं सिद्धांत रूप में तो मौजूद हैं लेकिन अमल में नहीं लाई जा रही हैं। हरित ऊर्जा पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए बहुत अधिक मात्रा में बिजली की आवश्यकता होगी, लेकिन यह स्वच्छ ऊर्जा होनी चाहिए। भारत में हो रही डिजिटल क्रांति की उन्होंने सराहना की। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इंटरनेट की पहुंच को क्रांतिकारी बदलाव का वाहक बताया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर का आकार देने में कृषि और पर्यटन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के माध्यम से प्रदेश में कुल 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।